RKSK
Rashtriya Kishor Swasthya Karyakram
राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम

माधव और मुस्कान रखते एचआयवी संक्रमित का ध्यान

पिछले अंक में हमने प्रजनन अंगों में संक्रमण से होने वाली परेशानियों के बारे में पढ़ा। इस अंक में हम पढ़ेंगे कि लोकेश के एचआयवी होने के बारे में जब दोस्तों को मालूम पड़ता है तो उनका व्यवहार क्यों बदल जाता है ? माधव–मुस्कान उनकी गलत धारणा तोड़ने के लिए क्या कदम उठाते हैं ?

तुम लोगों को अधूरी जानकारी है इसलिए उसके साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हो।
फिर लोकेश को एचआयवी कैसे हुआ ? क्या उसने कुछ गलत काम किया है ?
उस समय उसे एचआयवी संक्रमित खून चढ़ा दिया गया था।
तुम लोगों को याद है लोकेश का एक्सीडेंट हुआ था ?

हाँ, याद आया . . . बाद में वह लगातार बीमार रहने लगा था।
हाँ, तब जाँच होने पर मालूम पड़ा कि लोकेश एचआयवी से ग्रस्त है।
पर लोकेश के स्कूल आने से हम सबको तो खतरा है ना ?
केवल इसी कारण उसकी पढ़ाई तो नहीं छुड़ाई जा सकती थी ?

यह तुम्हारी अज्ञानता है। जब एचआयवी के बारे में जान जाओगे तो तुम्हारा सोच बदल जाएगा।
एचआयवी के बारे में हम कैसे जान सकते हैं ?

आइडिया! अभी 1 दिसम्बर को 'विश्व एड्स दिवस' है।
उस दिन हम गाँव में एक रैली का आयोजन करेंगे।
हुर्रे

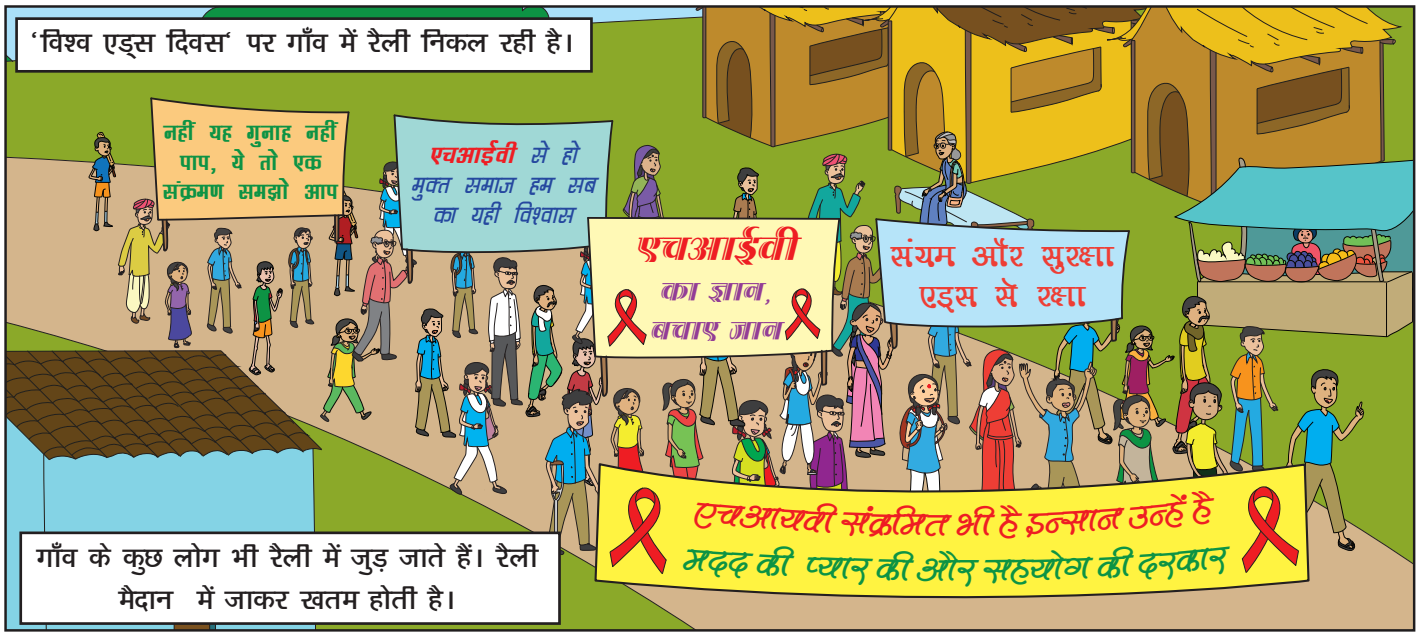
'विश्व एड्स दिवस' पर गाँव में रैली निकल रही है।
नहीं यह गुनाह नहीं पाप, ये तो एक संक्रमण समझो आप
एचआईवी से हो मुक्त समाज हम सब का यही विश्वास
एचआईवी का ज्ञान, बचाए जान
संयम और सुरक्षा एड्स से रक्षा
एचआयवी संक्रमित भी है इन्सान उन्हें है मदद की प्यार की और सहयोग की दरकार
गाँव के कुछ लोग भी रैली में जुड़ जाते हैं। रैली मैदान में जाकर खतम होती है।

मैदान में एक नुक्कड़ नाटक खेला जाता है।
क्या मच्छर, खटमल या कीड़े के काटने से फैलता एचआयवी ?
नहीं, नहीं, कभी नहीं।
नहीं, नहीं, कभी नहीं।
क्या किसी के छूने से, प्यार करने से, चूमने से फैलता एचआयवी ?
नहीं, नहीं, कभी नहीं।

क्या एचआयवी संक्रमित के साथ खाने–पीने, बर्तन बाँटने या उसके पास बैठने से फैलता है एचआयवी ?

नहीं, नहीं, कभी नहीं। इससे तो बढ़ता आपसी प्रेम और प्यार। यह है एचआयवी संक्रमित की दरकार।।
देखो भाई मदनलाल की दुबली काया लम्बे समय से बीमार रह कर इसने बहुत दुःख पाया ?

लम्बे समय से बीमार.....क्यों भाई क्यों, क्यों भाई क्यों ? बोलो, बोलो क्यों ?
मदनलाल को एक बार संक्रमित (बिना जाँचा) खून चढ़ाया। और इससे एचआईवी संक्रमण मदनलाल ने पाया।

क्यों नहीं जाँचकर खून चढ़ाया, क्यों भाई क्यों नहीं ? बोलो, बोलो, क्यों नहीं जाँचा ?
मतलब एचआयवी संक्रमण बिना जाँचा खून चढ़ाने से भी होता है ।
गर्भवती माँ से एचआयवी बच्चे में आया, बच्चे पर पड़ा बीमारियों का साया।
बच्चे को नहीं चाहिए नफरत दुत्कार, बच्चा चाहे आपका प्यार दुलार।
पर मैंने सुना था संक्रमित व्यक्ति के साथ यौन सम्बन्ध रखने से यह रोग होता है ?
हाँ, ठीक समझे ? असुरक्षित यौन संबंध भी एक बड़ा कारण है। ऐसे में हर बार कंडोम का इस्तेमाल अवश्य करना चाहिए। इससे यौन संक्रमण और अनचाहे गर्भ से भी बचा जा सकता है।

जिला अस्पताल
अब नुक्कड़ नाटक का एक कलाकार गर्भवती बनकर सोच में डूबा है –
मैं गर्भवती हूँ, मेरा क्या होगा ? मुझे है एचआयवी, क्या मेरे बच्चे को भी होगा ?
PPTCT
प्रिवेंशन ऑफ पेरेन्ट टू चाइल्ड ट्रान्समिशन
नहीं होगा यदि डॉक्टर और पीपीटीसीटी परामर्शदाता की सलाह लेते रहो गर्भावस्था के दौरान। खून की जाँच कराते रहो गर्भावस्था के दौरान।
मुझमें एचआयवी का वायरस ऐसे आया। संक्रमित सुई ने कहर मचाया।
जब भी अस्पताल में इन्जेक्शन लगवाएं। नई सुई हर बार उपयोग में लाएं।
मैं नशे के लिए करता सुई का इस्तेमाल।
मैंने टैटू बनवाने में किया सुई का इस्तेमाल।
अब हमारा क्या होगा ? अब हमारा क्या होगा ?
लेते नई सुई हर बार अगर नहीं होता कभी एचआयवी का डर।
असुरक्षित यौन संबंध से संक्रमित रक्त से, संक्रमित सुई से, संक्रमित माँ से उसके होने वाले बच्चे को
दोस्तों हमें लोकेश के साथ भी सामान्य व्यवहार करना है।
सबका प्यार मिलने और खेलने–कूदने, पौष्टिक भोजन लेने से वह स्वस्थ रहेगा।
हमारा बस यही है कहना एचआयवी होने के चार कारणों से बचकर रहना
हमारे दिमाग में एचआयवी के बारे में कई गलत धारणाएँ, भ्रांतियाँ थीं वे आज दूर हो गई हैं।
हम लोकेश को प्यार देंगे, सहयोग देंगे। साथ ही खेलेंगे–कूदेंगे, साथ पौष्टिक भोजन लेंगे।
अंत में हम आप सबको और नुक्कड़ नाटक कलाकारों को धन्यवाद देते हैं।

पढ़ी गई कहानी के अनुसार, हम कुछ मुद्दों पर चर्चा करेंगे:

एचआयवी/एड्स के कारण

एचआयवी किन कारणों से होता है ?

कारण

लोकेश को एचआयवी किस कारण से हुआ ?

एचआयवी से बचाव

एचआयवी से बचाव कैसे करें ? इसकी जाँच कहाँ पर होती है ?

एचआयवी संक्रमित से व्यवहार

एचआयवी रोगी से कैसा व्यवहार करें ?

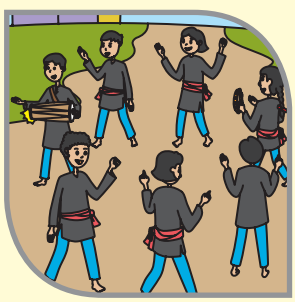

सामाजिक कलंक

क्या एचआयवी/एड्स सामाजिक कलंक या पाप है ? इस पर चर्चा करें।

याद रखने वाले मुख्य संदेश

Human **I**mmuno deficiency **V**irus
(मानव) की (रोगों से लड़ने की ताकत में कमी) लाने वाला (विषाणु)
Acquired **I**mmuno **D**eficiency **S**yndrome
(कहीं से प्राप्त किया हुआ)(रोगों से लड़ने की ताकत) (कमी) (बीमारियों के लक्षणों का समूह)

❖ एचआईवी निम्नलिखित माध्यमों से फैलता है :

एचआयवी/एड्स के कारण

1. संक्रमित खून से।
2. संक्रमित सुइयों से।
3. असुरक्षित संभोग के दौरान शारीरिक द्रव्यों से।
4. संक्रमित माँ से शिशु में गर्भावस्था के दौरान, प्रसव के दौरान या स्तनपान कराने में।

❖ एचआईवी निम्नलिखित कारणों से नहीं फैलता है –

1. संक्रमित व्यक्ति के साथ खाना खाने से,
2. हाथ मिलाने से,
3. गले मिलने से
4. मच्छर के काटने से,
5. छींकने से,
6. संक्रमित के बर्तन/थाली में खाना खाने से
7. उसके कपड़े पहनने से।

एचआयवी से बचाव

❖ बचाव

1. डिस्पोज़ेबल (जिन्हें एक बार प्रयोग करके फेंक देते हैं) या विसंक्रमित सुइयों का उपयोग करें ।
2. कंडोम का सही और लगातार उपयोग ।
3. प्रसव के दौरान उचित सावधानियाँ रखने से और पीपीटीसीटी से परामर्थ लेने से जिससे शिशु को एचआईवी संक्रमण से बचाया जा सके।
4. जाँचा परखा खून।

❖ जाँच

सभी सरकारी अस्पतालों (हर जिला चिकित्सालय) में जाँच निःथुल्क होती है।

1. जब एचआईवी वॉयरस हमारे शरीर में प्रवेश करता है तब प्रतिक्रिया स्वरूप हमारा शरीर एन्टीबॉडीज़ (रोगप्रतिकारक) बनाता है।
2. एचआईवी जांच से पता चलता है कि एन्टीबॉडीज़ हमारे खून में हैं या नहीं ।
3. आईसीटीसी में जाँच गोपनीय वातावरण में होती है।
4. एन्टीबॉडीज बनने में लगभग 12 सप्ताह लगते हैं। इस समय को ''विन्डो पीरियड'' कहा जाता है। यदि पहली बार में जाँच का परिणाम निगेटिव आए तो जाँच दोबारा से की जा सकती हैं क्योंकि हो सकता है पहली बार जाँच कराते समय व्यक्ति विन्डोपीरियड में हो।

❖ ईलाज

एचआईवी लाइलाज है परन्तु एआरटी की मदद से जीवन को बढ़ाया जा सकता है।

1. एआरटी ''एन्टी रिट्रोवायरल थेरेपी'' है।
2. यह उपचार एच.आई.वी. पॉजिटिव व्यक्तियों में संक्रमण का नियत्रंण करने के लिए दिया जाताहै।
3. ये दवाइयाँ एचआईवी के इलाज के लिए नहीं है। ये केवल शरीर में वायरस को और ज्यादा बढ़ने से रोकती हैं।
4. डॉक्टर की सलाह पर एआरटी ली जानी चाहिए।
5. एक बार दवाएं शुरू हो जाने के बाद व्यक्ति को जीवन भर ये दवाएं लेनी पड़ती हैं।
6. सरकारी अस्पतालों में एआरटी निःशुल्क मिलती है।

साथिया

भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- आशा की सहायता से गांव में 10 से 19 वर्ष की आयु के सभी किशोर/किशोरियों की सूची तैयार करना।
- स्वास्थ्य एवं संरक्षण के मुद्दों के संबंध में मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में किशोर/किशोरियों की सहायता करना।
- आशा/ए.एन.एम. की सहायता से आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सीय व सुरक्षा संबंधी जरुरत में दूसरी जगह रेफर करवाना।
- किशोर/किशोरियों की बातों की हमेशा गोपनीयता बनाए रखना।
- बच्चों और किशोर/किशोरी पर हिंसा के मामलों को पुलिस या बाल संरक्षण अधिकारी को सूचित करना।
- हिंसा के शिकार व्यक्ति की चिकित्सा देखभाल एवं परामर्श लेने और कानूनी सहायता हासिल करने में सहायता करना।
- धर्म, जाति, वर्ग, जेंडर या वैवाहिक स्थिति पर विचार किए बिना सभी किशोर/किशोरियों तक पहुंचना।

पहला अंक

दूसरा अंक

तीसरा अंक

चौथा अंक

पांचवां अंक

छठा अंक

सातवां अंक

आठवां अंक

नौवां अंक

दसवां अंक

ग्यारहवां अंक

बारहवां अंक

तेरहवां अंक

चौदहवां अंक

पंद्रहवां अंक

सोलहवां अंक

सत्रहवां अंक

अठारहवां अंक

उन्नीसवां अंक

बीसवां अंक

इक्कीसवां अंक

बाईसवां अंक

तेईसवां अंक

UNFPA

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के सहयोग से, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा रूपांकित